भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

20.12.2023 के

अतारांकित प्रश्न सं. 2963 का उत्तर

सुगमता संबंधी उपाय

2963. श्री सय्यद ईमत्याज जलील:

श्री रितेश पाण्डेय:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या रेलवे ने हाल ही में निःशक्त व्यक्तियों के लिए रेलवे अवसंरचना में सुगमता संबंधी दिशा-निर्देश अधिसूचित किए हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या उक्त सुगमता संबंधी उपाय स्टेशन पर आने वाले यात्रियों की संख्या के अनुपात पर निर्भर होंगे;

(ग) यदि हां, तो इस निर्णय के क्या कारण हैं;

(घ) क्या नए दिशा-निर्देशों के अंतर्गत सुगमता उपाय करने की समय-सीमा भी स्टेशन पर यात्रियों की संख्या पर निर्भर करेगी और यदि हां, तो तत्संबंधी तथ्य क्या है;

(ङ) क्या अस्पष्ट प्रकार की निःशक्तता से पीड़ित व्यक्तियों के लिए भी उक्त दिशा-निर्देशों के अंतर्गत सुगमता उपाय किए जा रहे हैं; और

(च) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, संचार एवं इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (च): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

****

सुगमता संबंधी उपाय के संबंध में दिनांक 20.12.2023 को लोक सभा में श्री सय्यद ईमत्याज जलील और श्री रितेश पाण्डेय द्वारा पूछे जाने वाले अतारांकित प्रश्न संख्या 2963 के भाग (क) से (च) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क) से (च): दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 के अनुपालन में, "विभिन्न दिव्यांगजनों और कम सचल यात्रियों के लिए भारतीय रेल के रेलवे स्टेशनों की सुगम्यता और रेलवे स्टेशनों पर सुविधाएं संबंधी दिशानिर्देश" परिपत्रित और भारत के राजपत्र में अधिसूचित किए गए थे। इन दिशानिर्देशों में दिव्यांगजनों से संबंधित सुविधाओं जैसे प्रवेश रैम्प, सुगम्य पार्किंग, कम ऊंचाई वाले टिकट खिड़की/सहायता बूथ, शौचालय, पेयजल बूथ, रैम्प/लिफ्टों के साथ सब-वे/फुट ओवर ब्रिज, ब्रेल साइनेज सहित मानक प्रदर्श-व्यवस्था और दृष्टि अशक्त लोगों के लिए स्पर्श-योग्य मार्ग आदि की व्यवस्थाएं शामिल हैं।

दिव्यांगजन सहित यात्रियों के लिए सुविधाओं की व्यवस्था/उन्नयन सतत एवं चलायमान प्रक्रिया है, और इस संबंध में आवश्यकता के अनुसार कार्य किए जाते हैं जो कि सापेक्ष प्राथमिकता और धन की उपलब्धता पर निर्भर करता है। बहरहाल, रेलवे स्टेशनों के उन्नयन के लिए कार्य को स्वीकृत और क्रियान्वित करते समय छोटे रेलवे स्टेशनों की तुलना में बड़े रेलवे स्टेशन को प्राथमिकता दी जाती है।

*****